

শ্রীঃ  
শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায় নমঃ  
শ্রীমান্ বেক্টনাথার্যঃ করিতাকিঁককেসরী।  
বেদান্তাচার্যরর্যো মে সন্নিধত্তাং সদা হৃদি ॥

শ্রী শঙ্করাচার্য রিরচিতম্  
॥ শ্রীনारायणस्तोत्रम् ॥

*This document\* has been prepared by*  
**Sunder Kidambi**  
*with the blessings of*  
শ্রী রঙ্গরামানুজ মহাদেশিকন্  
**His Holiness śrīmad āṇḍavan of śrīraṅgam**

---

\*This was typeset using Bengali for T<sub>E</sub>X.

শ্রীঃ  
॥শ্রীনारायणस्तोत्रम्॥

नारायण नारायण जय गोरिन्द हरे ।  
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

नारायण नारायण जय गोरिन्द हरे ।  
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

करुणापारारार वरुणालयगञ्जीर नारायण ॥ १ ॥

नवनीरदसङ्काश कृतकलिकल्मषनाश नारायण ॥ २ ॥

यमुनातीररिहार धृतकौस्तुभमणिहार नारायण ॥ ३ ॥

पीताम्बरपरिधान सुरकल्याणनिधान नारायण ॥ ४ ॥

नारायण नारायण जय गोरिन्द हरे ।  
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

मञ्जुलण्डाभूष मायामानुषरेश नारायण ॥ ५ ॥

राधाधरमधुरसिक रजनीकरकुलतिलक नारायण ॥ ६ ॥

मुरलीगानरिनोद र्बेदस्तुतभूपद नारायण ॥ ७ ॥

वारिजभूषाभरण राजिररुञ्जिगीरमण नारायण ॥ ८ ॥

नारायण नारायण जय गोरिन्द हरे ।  
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

जलरुहदलनिभनेत्र जगदारम्भकसूत्र नारायण ॥ ९ ॥

पातकरजनीसंहार करुणालय मामुद्धर नारायण ॥ १० ॥

अघवकम्पकंसारे केशर कृष्ण मुरारे नारायण ॥ ११ ॥

हाटकनिभपीताम्बर अभयं कुरु मे मारर नारायण ॥ १२ ॥

নারায়ণ নারায়ণ জয় গোবিন্দ হরে।  
নারায়ণ নারায়ণ জয় গোপাল হরে॥

দশরথরাজকুমার দানবমদসংহার নারায়ণ ॥ ১৩ ॥

গোবর্ধনগিরিরমণ গোপীমানসহরণ নারায়ণ ॥ ১৪ ॥

সরযূতীরবিহার সজ্জন ঋষিমন্দার নারায়ণ ॥ ১৫ ॥

বিশ্বামিত্রমথত্র বিবিধপরাসুচরিত্র নারায়ণ ॥ ১৬ ॥

নারায়ণ নারায়ণ জয় গোবিন্দ হরে।  
নারায়ণ নারায়ণ জয় গোপাল হরে॥

ধরজরজ্জাঙকুশপাদ ধরণীসুতসহমোদ নারায়ণ ॥ ১৭ ॥

জনকসুতাপ্রতিপাল জয় জয় সংস্মৃতিলীল নারায়ণ ॥ ১৮ ॥

দশরথরাঙ্ঘ্রতিভার দণ্ডকবনসংহার নারায়ণ ॥ ১৯ ॥

মুষ্টিকচাগুরসংহার মুনিমানসবিহার নারায়ণ ॥ ২০ ॥

নারায়ণ নারায়ণ জয় গোবিন্দ হরে।  
নারায়ণ নারায়ণ জয় গোপাল হরে॥

ঝালিনিগ্রহশৌর্য বরসুগ্রীবহিতার্য নারায়ণ ॥ ২১ ॥

মাং মুরলীকর ধীর পালয় পালয় শ্রীধর নারায়ণ ॥ ২২ ॥

জলনিধিবন্ধনধীর রাবণকঠরিদার নারায়ণ ॥ ২৩ ॥

তাটকমর্দনরাম নটগুণবিবিধনাট্য নারায়ণ ॥ ২৪ ॥

নারায়ণ নারায়ণ জয় গোবিন্দ হরে।  
নারায়ণ নারায়ণ জয় গোপাল হরে॥

গৌতমপত্নীপূজন করুণাঘনাবলোকন নারায়ণ ॥ ২৫ ॥

সংভ্রমসীতাকার সাকেতপুরবিহার নারায়ণ ॥ ২৬ ॥

অচলোদধৃতিচঞ্চতকর ভক্তানুগ্রহততপর নারায়ণ ॥ ২৭ ॥

নৈগমগানরিনোদ রক্ষিতসুপ্রহ্লাদ নারায়ণ ॥ ২৮ ॥

নারায়ণ নারায়ণ জয় গোবিন্দ হরে ।

নারায়ণ নারায়ণ জয় গোপাল হরে ॥

নারায়ণ নারায়ণ জয় গোবিন্দ হরে ।

নারায়ণ নারায়ণ জয় গোপাল হরে ॥

॥ইতি শ্রীনারায়ণস্তোত্রম্ সমাপ্তম্ ॥